

फर्द अहकाम
 न्यायालय सहायक कलक्टर आमेर मु० जयपुर
रतन लाल खन्ना कागल

केस संख्या : 80/27

केस संख्या	दिनांक आज या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष
8 $\frac{5}{25}$		<p>पत्रावली आज दिनांक <u>28/5/25</u> को पेश हुई। दि. डिस्ट्रिक्ट एड. वार एसी. जयपुर द्वारा कन्वोयेन्स की जाने पर पत्रावली <u>31/5/25</u> को पेश हो।</p> <p>पत्रावली प्रस्तुत। वकील प्रार्थी उप-<u>कृष्ण</u> के 6, 7 का जवाब देकर किया जाता है। पत्रावली वाले बच किंग 14 $\frac{5}{25}$ को पेश हो।</p>	
14 $\frac{5}{25}$		<p>पत्रावली उपरुत। वकील प्रार्थी की वकालत सुनी गई। प्रार्थी ने डिक्लेर किया कि कृष्णगिरी किन विधि किंग पर के विधीन के माग का निर्माण कार्य को पर इतना है यदि कृष्णगिरी उपरुत कार्य करने में सफल रहे। इनो प्रार्थी को अप्रुणीय क्षति होगी। उपरुत तर्क, इस्तेमाल के आधार पर मागला. अप्रुणीय क्षति उत्तीर होती है, अतः दिनांक 25 $\frac{10}{2025}$ को जारी अंतरिम आदेश निवेद्यता आदेश की मूलवाद के निस्तारण तनुस्थाई किया जाता है। पत्रावली <u>कृष्ण</u> होकर दाखिल दफतर हो।</p>	

(Signature)
 सहायक कलक्टर
 आमेर मु. जयपुर

(Signature)
 सहायक कलक्टर
 आमेर मु. जयपुर